>

Title: Need to revive and raise the Chamar Regiment in Indian Army.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): मैं कागज-पत्र और इतिहास-पुराण की बात करूंगा। सभापति महोदया, मैं सरकार से मांग करता हूं कि देश में जो भारतीय सेना है, उसमें * रेजिमेंट की स्थापना को बहाल किया जाए। ऐसा मैं क्यों कहता हूं, भारत सरकार की नीति है कि कास्ट क्रीट...

सभापति महोदया: आपसे कहा था कि इस शब्द का प्रयोग न करें।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : पहले इतिहास को समझ लिया जाए। इसलिए कृपया करके मुझे सुन लिया जाए।

सभापति महोदया: यह शब्द रिकार्ड में नहीं जाएगा।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : भारतीय सेना में राजपूत रेजिमेंट, जाट रेजिमेंट, महावर रजिमेंट आदि नौ जातियों के नाम से रेजिमेंट्स हैं। भारत सरकार ने विचार किया, चूंकि 100 वर्षों से ज्यादा का गौरवशाली इतिहास रहा है, इन रजिमेंट्स का इसलिए जाति के नाम पर रहते हुए इसे नहीं हटाया जाए। मैं उसी संदर्भ में सवाल उठाता हूं कि सन् 1942 ... में रेजिमेंट की स्थापना हुई।

सभापति महोदया: आगे जब भी यह शब्द आए, उसे कार्यवाही में शामिल न किया जाए।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : पहले सुन लिया जाए।

सभापति महोदया: मैं आपको इंस्ट्रक्शन दे रही हूं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अंग्रेजी हुकूमत के समय 1942 में जब द्वितीय विश्व युद्ध की शुरूआत हुई थी, तो अंग्रेजी सल्तनत को फौज की जरूरत थी इसलिए ... रेजिमेंट की स्थापना हुई। सन् 1942 से 1946 तक ... रेजिमेंट था, लेकिन जब विश्व युद्ध खत्म हो गया, अंग्रेजों ने उसे हटा दिया। मैं वही सवाल उठाता हूं कि हिन्दुस्तान में भारतीय सेना के इतिहास में... रेजिमेंट है 1942 से 1946 था। सरकार बताए कि 1942 से 1946 तक ... रेजिमेंट था या नहीं? जब अंग्रेजों ने इसे बनाया और उन्होंने ही हटाया, मैं कोई नई जाति का नाम नहीं जोड़ना चाहता हूं और न ही कहना चाहता हूं। भारत सरकार की पालिसी से मैं कोई असहमत भी नहीं हूं, लेकिन मेरा सवाल है कि जब नौ जातियों के नाम पर रेजिमेंट थी और है, तो इस दशम् जाति के नाम पर रेजिमेंट था, तो अभी क्यों नहीं हैं। अंग्रेज बिगाड़ कर चला गया। इस अनुसूचित जाति के लोग करोड़ों की संख्या में देश में बसते हैं, इससे उनका मनोबल भी बढ़ेगा कि देश की सुरक्षा में उनकी भी अहमियत है। इसलिए मैं सवाल उठाता हूं कि जब नौ जातियों का है तो इस दशम् जाति जो पहले था, ...रेजिमेंट पहले थी, 1942 से 1946 तक थी, सरकार बताए कि था या नहीं और था तो क्यों नहीं अब ...रेजिमेंट होगा इसलिए होना चाहिए। वह इसलिए कि 100 बरस पहले था, सन् 1942 से 1946 तक था, तो अब क्यों नहीं रहना चाहिए। हम चाहते हैं मेरी मांग है कि सरकार इस पर एक वक्तव्य देकर स्थिति साफ करे। बाबू जगजीवन राम रक्षा मंत्री थे, इंदिरा जी के समय बाबू जी, बाबूजी कहा करते थे। पंडित जवाहर लाल नेहरू को डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कहा था।

अगर मैं अहीर अथवा ..... घर में पैदा होता तो बता देता पंडित जवाहर लाल नेहरु को कि शासन कैसे चलता है? देश के कोने-कोने में जिस जाति के लोग बसते हैं, उनका रेजिमेंट पहले था और फिर से वह क्यों बहाल न हो, इस बात को सरकार सदन को बताए, देश को बताए, यही हमारी मांग है।

सभापति महोदया : जहां पर भी असंसदीय शब्द का प्रयोग हुआ है, कृपया करके उसे नोट न करें।